दैनिक
शाह बुलेटिन

प्रकाशन के 12 वर्ष
RNI: UPHIN/2014/56192
बुधवार 03 दिसंबर 2025
वर्ष: 12, अंक: 122
पृष्ठ: 04 मूल्य: 01 रुपया

dainikshahbulletin@gmail.com 9997540548

कलम की ताकत...

इंस्पेक्टर ओमप्रकाश सिंह के निर्देश पर एंटी ....

मवाना में कुत्ते और बंदरों के काटने की घटनाओं में ताबड़तोड़ वृद्धि, रेबीज की चपेट में आए दो गंभीर मरीज मेरठ रेफर

पालिका के एक हजार बंदर पकड़ने के टेंडर पर टिकी नगर वासियों की नजर? कब मिलेगी राहत, कुत्तों से भी पालिका द्वारा राहत की उम्मीद?

शाह बुलेटिन ब्यूरो

मवाना इसरार अंसारी। नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हाल के दिनों में कुत्ते और बंदर काटने के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। इस बीच, रेबीज के दो गंभीर मरीजों को बेहतर इलाज के लिए मेरठ रेफर किया गया है। मवाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नगर सहित विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों से बुजुर्ग महिलाएं रेबीज टीकाकरण के लिए आ रही हैं।

वही रैबीज से ग्रस्त दो गंभीर मरीजों को तत्काल प्राथमिक चिकित्सा उपचार देकर उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें मेरठ रेफर किया गया है। वही प्राप्त जानकारी के अनुसार मवाना नगर पालिका द्वारा भी एक हजार बंदरों को पकड़ने के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है आने वाले दिनों में लोगों को बंदरों के आतंक से राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

क्या बोले मवाना सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सा प्रभारी मवाना चिकित्सा प्रभारी डॉ. अरुण कुमार ने लोगों को खतरनाक जानवरों से बचने के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी है ताकि रेबीज संक्रमण से बचा जा सके किसी भी प्रकार के कुत्ते एवं बंदर आदि जानवर के काटने पर 24 घंटे के भीतर समय रहते क्षेत्र के लोग मवाना सामुदायिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर रेबीज का इंजेक्शन अवश्य लगवाए भूल कर भी लापरवाही ना करें समय पर रेबीज का इंजेक्शन लगाए जाने के बाद शरीर में फैलने वाले संक्रमण को रोका जा सकता है। उन्होंने बताया कि कई बार मवाना नगर पालिका को बंदरों एवं कुत्तों के आतंक से निजात दिलाए जाने के लिए वह लेटर लिख चुके हैं। वहीं उन्होंने यह भी जानकारी दी है कि 70 वर्ष के व्यक्ति मवाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आकर अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं जिससे उन्हें सरकार द्वारा 5 लाख रुपए तक का चिकित्सा लाभ मिल सके।

क्या बोले मवाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सा प्रभारी

मवाना चिकित्सा प्रभारी डॉ. अरुण कुमार ने लोगों को खतरनाक जानवरों से बचने के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी है ताकि रेबीज संक्रमण से बचा जा सके किसी भी प्रकार के कुत्ते एवं बंदर आदि जानवर के काटने पर 24 घंटे के भीतर समय रहते क्षेत्र के लोग मवाना सामुदायिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर रेबीज का इंजेक्शन अवश्य लगवाए भूल कर भी लापरवाही ना करें समय पर रेबीज का इंजेक्शन लगाए जाने के बाद शरीर में फैलने वाले संक्रमण को रोका जा सकता है। उन्होंने बताया कि कई बार मवाना नगर पालिका को बंदरों एवं कुत्तों के आतंक से निजात दिलाए जाने के लिए वह लेटर लिख चुके हैं। वहीं उन्होंने यह भी जानकारी दी है कि 70 वर्ष के व्यक्ति मवाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आकर अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं जिससे उन्हें सरकार द्वारा 5 लाख रुपए तक का चिकित्सा लाभ मिल सके।

एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प को सुदृढ़ और जीवंत कर रहा काशी तमिल संगमम : सीएम योगी

वाराणसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार शाम नमोघाट पर काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण का रिमोट से बटन दबाकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से अपने वोकेशनल एजुकेशन में तमिल, कन्नड़, मलयालम, तेलुगू, मराठी और बंगाली जैसी भाषाओं को सम्मिलित किया है। छात्र अपनी रुचि के अनुसार इनमें से किसी एक भाषा का चयन करेंगे और सरकार उसका पूरा व्यय वहन करेगी। तमिल भाषा इस संदर्भ में एक नया मंच प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिवर्ष रामेश्वरम, मदुरै और कन्याकुमारी धाम के दर्शन के लिए जाते हैं। पर्यटन विभाग विशेष यात्रा कार्यक्रमों का आयोजन करेगा, जिनके माध्यम से श्रद्धालुओं को रियायती दरों पर इन पवित्र स्थलों का दर्शन कराया जाएगा। यह कार्यक्रम भारत के भविष्य में निवेश के समान है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में काशी तमिल संगमम् भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बन चुका है। मुख्यमंत्री योगी ने वणक्कम काशी और हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ सभी अतिथियों का तमिल भाषा में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में काशी तमिल संगमम्-का

यह चौथा संस्करण एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प को सुदृढ़ और जीवंत कर रहा है। उन्होंने कहा कि काशी और तमिल परंपरा के प्राचीन संबंधों के केंद्र में भगवान शिव हैं। इस संबंध-सेतु को आदि शंकराचार्य ने भारत के चारों कोनों में पवित्र पीठ स्थापित कर आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का यह प्रवास काशी की शिवभक्ति, प्रयागराज का संगम और अयोध्या में धर्मध्वजा आरोहण के उपरांत प्रभु श्रीराम के दिव्य दर्शन का अद्वितीय आध्यात्मिक सौभाग्य प्रदान करेगा। यह आयोजन उत्तर और दक्षिण भारत की सांस्कृतिक, शैक्षिक, आर्थिक और आध्यात्मिक साझेदारी को सशक्त करते हुए भारत के उज्ज्वल भविष्य के नए द्वार खोल रहा है। इस वर्ष की थीम 'तमिल सीखें' प्रेरक है, जो ज्ञान, संस्कृति और भाषा के माध्यम से एक भारत-श्रेष्ठ भारत को और सुदृढ़ करेगी। कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने वर्चुअल माध्यम से काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण पर वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान शुरू हुआ यह आयोजन अब राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंच बन चुका है। संगमम्-गंगा और कावेरी की संस्कृति को जोड़ते हुए उत्तर और दक्षिण की सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री द्वारा हाल की मन की बात में कही गई इस टिप्पणी को याद किया कि यह संगम दुनिया की सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक और सबसे प्राचीन जीवित शहर का मिलन है। उन्होंने प्रसन्नता जताई कि तमिल भाषा को राष्ट्रीय स्तर पर उसका उचित सम्मान मिल रहा है। उन्होंने इस वर्ष की थीम आइए तमिल सीखें को भाषाई और सांस्कृतिक सौहार्द बढ़ाने वाला बताया। तमिल भाषा सिखाने आए 50 हिंदीभाषी शिक्षकों की पहल की सराहना की, जो वाराणसी के 50 विद्यालयों में 1,500 छात्रों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। तेनकासी से काशी तक चल रही प्रतीकात्मक अगत्यर यात्रा को उन्होंने सांस्कृतिक संबंधों के पुनर्स्मरण का महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

श्रुतकिर्ति आर्ट्स द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निःशुल्क लिप्पन कला प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया

शाह बुलेटिन ब्योरो

मवाना इसरार अंसारी। श्रुतकीर्ति आर्ट्स एवं उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रन बोर्ड के संयुक्त तत्वधान में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, किला परीक्षितगढ़ में एक विशेष निःशुल्क लिप्पन आर्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को भारत की पारंपरिक कला जैसे लिप्पन आर्ट ,मंडला कला आदि से परिचित कराना तथा उन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक करना था।श्रुतकीर्ति आर्ट्स ने छात्राओं को लिप्पन कला की बारीकियों, तकनीकों और उसके ऐतिहासिक महत्व के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण

के दौरान छात्राओं ने "पर्यावरण संरक्षण" विषय पर सुंदर लिप्पन कलाकृतियाँ तैयार कीं, जो न केवल उनकी रचनात्मकता का प्रमाण हैं बल्कि पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश भी देती हैं। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं में कला के प्रति उत्साह, सीखने की इच्छा और अपनी पारंपरिक जड़ों से जुड़ाव सराहनीये था। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण एवं आवासीय विद्यालयों की छात्राओं को कौशल-आधारित शिक्षा प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करना है।श्रुतकीर्ति आर्ट्स भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से अधिक से अधिक छात्राओं और महिलाओं को पारंपरिक भारतीय कला रूपों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतीय किसान यूनियन भानु का कृषि बीज भंडार पर धरना प्रदर्शन, नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

शाह बुलेटिन ब्यूरो

मवाना ब्यूरो इसरार अंसारी। नगर तहसील क्षेत्र के गणेशपुर मे मंगलवार भारतीय किसान यूनियन (भानु) के प्रदेश अध्यक्ष (युवा)पश्चिमी उत्तर प्रदेश अमित त्यागी गणेशपुर के नेतृत्व मे ग्राम गणेशपुर के राजकीय कृषि बीज भंडार पर धरना प्रदर्शन किया गया। स्थिति को बेकाबू देख नायब तहसीलदार नितेश सैनी जी मौके पर पहुंचे और सात दिन के अन्दर सभी समस्याओ का समाधान करने का आश्वासन दिया तब किसानो ने धरना समाप्त किया बताया जाता है कि बीज केंद्र पर कार्यरत अधिकारीयों/कर्मचारियों द्वारा किसानों के साथ घोर अनियमितता, पक्षपात एवं शोषणपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। शासन द्वारा किसानों के हित में संचालित योजनाओं की जानकारी जानबूझकर छिपाई जा रही है तथा लाभ केवल अपने परिचितों, नज़दीकियों एवं

विशेष व्यक्तियों को ही उपलब्ध कराया जा रहा है।

राजकीय सेवा में रहते हुए इस प्रकार का भेदभाव, मनमानी एवं शक्ति का दुरुपयोग पूर्णतः अवैध, अनैतिक एवं दंडनीय है। बीज, उर्वरक एवं योजनाओं का वितरण किसी भी दशा में चयनित व्यक्तियों के पक्ष में मोड़ना न केवल किसानों के साथ विश्वासघात है, बल्कि शासन की नीति और कानून की खुली अवहेलना है।

अतः हम निम्न मांगों पर तत्काल कठोर कार्रवाई की अपेक्षा करते हैं। राजकीय बीज भंडार में व्याप्त अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जाँच कराई जाए। किसानों के साथ किए जा रहे भेदभाव के लिए उत्तरदायी अधिकारी/कर्मचारियों को तुरन्त निलंबित कर कार्यवाही प्रारम्भ की जाए। बीज एवं योजनाओं के वितरण की पूर्ण पारदर्शी प्रणाली लागू कर जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाए। सभी रिकार्ड, स्टॉक रजिस्टर एवं लाभार्थी सूची की ऑडिट जांच कराई जाए। पिछले 5 वर्ष के वितरण व स्टॉक की जानकारी लिखित मे उपलब्ध कराई जाए।यदि उपर्युक्त विषय पर शीघ्र एवं कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो किसान समाज बाध्य होकर लोकतांत्रिक तरीके से उग्र आंदोलन करने हेतु विवश होगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

जिसमे जिलाध्यक्ष मेरठ पुनीत त्यागी, प्रदीप, अजय, संजीव,राहुल,अशोक, पवन, अरुण, कुणाल, नितिन, संजय,दीपक, श्यामसुंदर विनोद आदि सेंकड़ो की संख्या मे किसान मौजूद रहे।

मवाना सीओ पंकज लवानिया ने नगर में चलाया सघन चेकिंग अभियान, खामियां मिलने पर काटे चालान

पुलिस की चेकिंग होती देख गन्ने से भरे ओवरलोडिंग ट्रक चालकों में मजा हड़कंप, पुलिस चौकी से पहले ही गन्ने से भरे ओवरलोडिंग ट्रैकों की लगी लाइन, चेकिंग बंद होने के बाद गुजरे ट्रक।

शाह बुलेटिन ब्यूरो

मवाना इसरार अंसारी। नगर में गन्ने व भूसे से भरे ओवरलोडिंग ट्रैकों का आवागमन डग्गामार टेंपो तथा यातायात नियमों का उल्लंघन कर रहे टू व्हीलर एवं फोर व्हीलर वाहनों

पर मवाना पुलिस क्षेत्र अधिकारी पंकज लवानिया ने शिकंजा कसा तथा गन्ने से भरे ओवरलोडिंग ट्रक तथा सवारी से भरे डग्गामार टेंपो एवं बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल और पटाखे छोड़ने वाली बुलेट आदि टू व्हीलर वाहनों का चालान किया गया। बता दें कि

आला अधिकारियों के पर मवाना पुलिस ने मवाना बस स्टैंड पुलिस चौकी पर सघन चैकिंग अभियान चलाया, यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले कई वाहनों के चालान काटे गए। सीओ मवाना पंकज लवानिया के नेतृत्व में मवाना पुलिस बस स्टैंड चौकी पर भारी मनोज शर्मा, सब इंस्पेक्टर रंब्रज राठौर, शाहिद विभिन्न पुलिस कर्मियों ने मंगलवार को बस स्टैंड पुलिस चौकी पर चैकिंग अभियान चलाकर लोगों को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाया। इस दौरान टीम ने गन्ने व भुस आदि से भरे ओवरलोडिंग ट्रैकों व बिना हैलमेट लगाने वाले तथा पटाखा छोड़ने वाले दो पहिया वाहनों,बिना सीट बेल्ट लगाए चार पहिया वाहनों,निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी ले जाने वाले टैम्पों चालकों के चालान भी काटे तथा उन्हें यातायात नियमों का पाठ पढाया। वही चेकिंग के दौरान पुलिस चौकी के पास बैठे एक मिल कर्मचारि ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जिम्मेदार अधिकारियों से सेटिंग गेटिंग के चलते ठेकेदार द्वारा गन्ने से भरे ओवरलोडिंग ट्रकों का आवागमन नगर के अंदर से किया जा रहा है?

कोच से लेकर कंट्रोल रूम तक रेलवे में स्मार्ट वीडियो स्टोरेज को आकार देने वाले 5 ट्रेंड

देहरादून

वेस्टर्न डिजिटल में मिडिल ईस्ट एशिया एवं भारत के लिए डायरेक्टर ऑफ सेल्स, ओवैस मोहम्मद के मुताबिक भारतीय रेल दुनिया के सबसे अधिक व्यस्त जन परिवहन नेटवर्क्स में से एक है, जिसके माध्यम से वित्तवर्ष 2025 में 7 बिलियन से अधिक मुसाफिरों ने यात्रा की। इतनी बड़ी संख्या में यात्रियों को ले जाने वाली भारतीय रेल की सुरक्षा सुनिश्चित करना अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। इस चुनौती का समाधान अब भारत ए.आई पॉवर्ड स्मार्ट वीडियो की मदद से कर रहा है। रेल मंत्री ने भारतीय रेल में यात्रियों की सुरक्षा के लिए 11,000 से अधिक कोचों में सीसीटीवी कैमरा लगाने की घोषणा की है। इसके अगले चरण में 74,000 कोचों और 15,000 लोकोमोटिव्स में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

वीडियो एनालिटिक्स और एनोमेली डिटेक्शन जैसी टेक्नोलॉजी की मदद से भारतीय रेल का बहुत तेजी से विकास किया जा रहा है। ए.आई आधारित वीडियो टेक्नोलॉजी इसे ज्यादा स्मार्ट और सुरक्षित बना रही है। रेलवे में सुरक्षा पाँच मुख्य फीचर्स द्वारा सुनिश्चित की जा रही है: जबरदस्त विस्तार, विशाल डेटा: इतने व्यापक स्तर पर सर्वियलेंस वीडियो के लिए हर माह बहुत अधिक मात्रा में डेटा उत्पन्न होता है। केवल एक ए.आई इनेबल्ड 4के कैमरा, जो 90 दिनों के रिटेंशन रेट के साथ 24 एफपीएस पर 24 घंटे रिकॉर्डिंग करता है, वह 363 टेराबाईट तक डेटा का निर्माण कर सकता है। भुवनेश्वर जैसे शहरों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए 1,500 अतिरिक्त ए.आई कैमरा स्थापित किए जा रहे हैं। इसलिए यह स्पष्ट है कि विश्वसनीय हाई-कैपेसिटी सर्वियलेंस स्टोरेज के बिना ये स्थानीय डेटा पाईपलाईन ठप्प हो जाएंगी। इनके लिए स्मार्ट वीडियो के लिए डिज़ाईन की गई पर्पज़-बिल्ट हार्ड डिस्क ड्राईव आवश्यक हैं, जो फ्रेम-ड्रॉपिंग को कम करके एक साथ सैकड़ों स्ट्रीम्स में सुगम रिकॉर्डिंग संभव बनाती हैं।

ए.आई आधारित इंटैलिजेंस के लिए विश्वसनीय रिटेंशन जरूरी है: ए.आई पॉवर्ड वीडियो एप्लीकेशंस के लिए हाई-डेफिनिशन डिटेल और एक्युरेसी बहुत महत्वपूर्ण है। सबसे अच्छी क्वालिटी के वीडियो के लिए सर्वियलेंस कैमरों को 1080पी से 4के या उससे अधिक के रिज़ॉल्यूशन में अपग्रेड करना होगा।

निगम कर्मचारी पर दबंगों ने किया हमला, मुकदमा वापस लेने का बनाया दबाव

बहन से छेड़छाड़ का विरोध करना पड़ा भारी, हमले में घायल हुए पीड़ित ने एसएसपी से लगाई मदद की गुहार

शाह बुलेटिन ब्यूरो

गौहर अनवार,मेरठ। नगर निगम में कार्यरत कर्मचारी अमित कुमार को बहन से छेड़छाड़ का विरोध करना महंगा पड़ गया। मामला इतना बढ़ गया कि आरोपी पक्ष ने अमित पर जानलेवा हमला कर दिया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित ने एसएसपी को प्रार्थना-पत्र देकर आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित अमित कुमार निवासी क्वार्टर पुरानी मोहनपुरी, थाना सिविल लाइंस ने बताया कि 30 नवंबर को वह सुबह करीब 8 बजे ड्यूटी पर था। तभी मोहल्ले के ही तीन युवकों तौकीर उर्फ तौका, बाबर और समीर ने उसे घेर लिया। आरोप है कि ये वहीं युवक हैं, जिन्होंने पहले उसकी बहन से छेड़छाड़ कर अभद्रता की थी और उसी का मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन है। अब आरोपी मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहे थे। पीड़ित के अनुसार जब उसने मुकदमा वापस लेने से इंकार किया तो विपिन, और समीर ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला किया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने किसी तरह अमित को बचाया और उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहाँ उसका मेडिकल कराया गया। अमित कुमार का कहना है कि आरोपी पक्ष लगातार जान से मारने की धमकी दे रहा है और उसके परिवार में दहशत का माहौल है। पीड़ित ने एसएसपी विपिन ताडा से हमलावरों पर कठोर कार्रवाई तथा सुरक्षा की मांग की है।

इंस्पेक्टर ओमप्रकाश सिंह के निर्देश पर एंटी रोमियो टीम ने स्कूल की छात्राओं को जागरूक किया

शाहनवाज़ सोनू - शाह बुलेटिन

मीरापुर। इंस्पेक्टर ओमप्रकाश के निर्देश पर एंटी रोमियो टीम ममता अत्रि ने स्कूल की छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाते हुए महिला हेल्पलाइन नंबर,और आपातकालीन नंबर की जानकारी दी गई मंगलवार को एंटी रोमियो टीम प्रभारी ममता अत्रि महिला,एसआई अरुण शर्मा,कॉस्टेबल मधु,द्वारा स्कूल की छात्राओं को सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक करने हेतु एक विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान एंटी रोमियो टीम प्रभारी ममता अत्रि ने पम्पलेट वितरित कर आत्मरक्षा, महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, पुलिस आपातकालीन नंबर 112 तथा अन्य सहायता सेवाओं की जानकारी दी। एंटी रोमियो टीम क़ी सदस्य मधु द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं, छात्राओं,और बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना तथा किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या उत्पीड़न की स्थिति में त्वरित कार्रवाई हेतु उन्हें जागरूक करना होता है।एंटी रोमियो टीम ममता अत्रि ने बताया कि समाज में महिलाओं, छात्राओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए मिशन शक्ति अभियान लगातार चलाया जा रहा है,जिसमें स्कूल,कॉलेज और सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।मिशन शक्ति टीम द्वारा कॉलेज परिसर में मौजूद छात्राओं,महिलाओं को यह भी बताया कि किसी भी असामाजिक तत्व या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें और डरें नही।कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना और छेड़छाड़ की स्थिति में त्वरित कार्रवाई हेतु जागरूक करना था।

समाज को बदलना होगा दिव्यांगों के प्रति नजरिया

तीन दिसंबर को देश-दुनिया में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस मनाया जाता है। आजादी के 78 वर्ष बाद भी देश में दिव्यांगों की स्थिति में सुधार नहीं हुआ हैं। दिव्यांग लोग आज भी समाज में बराबरी के अधिकारों के लिये संघर्षरत हैं। सरकारी स्तर पर भी कागजी कार्रवाई ज्यादा हुई है। धरातल पर आज भी दिव्यांगों की स्थिति दयनीय है। समाज में उनका मजाक उड़ाया जाता है। ऐसी ही एक घटना से नाराज होकर कुछ दिनो पूर्व देश के उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार से दिव्यांगों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी से निपटने के लिए कड़े कानून बनाने पर विचार करने को कहा । न्यायालय ने एसएमए क्योर फाउंडेशन की याचिका पर सुनवाई करते हुये केंद्र सरकार से दिव्यांगों और दुर्लभ आनुवंशिक विकारों से ग्रस्त व्यक्तियों का उपहास करने वाली अपमानजनक टिप्पणियों को अनुसूचित जाति-अनुसूचित जन जाति अधिनियम की तर्ज पर दंडनीय अपराध बनाने के लिए एक कानून बनाने को कहा है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अभद्र, आपत्तिजनक और अवैध सामग्री को नियंत्रित करने के लिए एक तटस्थ, स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय की आवश्यकता है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने इस बारे में न्यायालय को सूचित किया कि सरकार में कुछ दिशा-निर्देश बनाने पर विचार हो रहा है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हास्य किसी की गरिमा की कीमत पर नहीं हो सकता। याचिका में इंडियाज गॉट लेटेंट के होस्ट समय रैना और सोशल मीडिया पर प्रभावशाली लोगों, विपुन गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर के चुटकुलों की निंदा की गई थी। अदालत ने उन्हें भविष्य में अपने आचरण के प्रति सावधान रहने का निर्देश दिया। न्यायालय ने हास्य कलाकार रैना और अन्य को दिव्यांग व्यक्तियों, विशेष रूप से स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए धन जुटाने के लिए दिव्यांग व्यक्तियों की सफलता की कहानियों पर प्रत्येक माह दो कार्यक्रम या शो आयोजित करने का भी निर्देश दिया।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर इस वर्ष का विषय है सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए विकलांगता समावेशी समाजों को बढ़ावा देना। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1992 में हर वर्ष 3 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय विकलांग दिवस के रूप में मनाने घोषणा की थी। तब से सरकार ने देश में दिव्यांगो के लिए कई नीतियां बनाई हैं। उन्हें सरकारी नौकरियों, अस्पताल, रेल, बस सभी जगह आरक्षण प्राप्त है। दिव्यांगो के लिए सरकार ने पेंशन की योजना भी शुरू की है। लेकिन ये सभी सरकारी योजनाएं महज एक मजाक बनकर रह गई हैं। इनके पास इन सुविधाओं को हासिल करने के लिए दिव्यांगता का प्रमाणपत्र ही नहीं है। इसको मनाने का उद्देश्य समाज के सभी क्षेत्रों में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों को बढ़ावा देना और राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में दिव्यांग लोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। मगर आज भी लोगों को तो इस बात का भी पता ही नहीं होता है कि हमारे आस-पास कितने दिव्यांग रहतें हैं। उन्हे समाज में बराबरी का अधिकार मिल रहा है कि नहीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि शारीरिक रूप से अशक्त लोगों के पास एक 'दिव्य क्षमता' है और उनके लिए 'विकलांग' शब्द की जगह दिव्यांग शब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने विकलांगों को दिव्यांग कहने की अपील की थी। जिसके पीछे उनका तर्क था कि शरीर के किसी अंग से लाचार व्यक्तियों में ईश्वर प्रदत्त कुछ खास विशेषताएं होती हैं। विकलांग शब्द उन्हे हतोत्साहित करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर देश के लोगों ने विकलांगो को दिव्यांग तो कहना शुरू कर दिया लेकिन लोगों का उनके प्रति नजरिया आज भी नहीं बदल पाया है। दुनिया में अनेकों ऐसे उदाहरण हैं जो बताते है कि सही राह मिल जाये तो अभाव एक विशेषता बनकर सबको चमत्कृत कर देती है। भारत में दिव्यांगो की मदद के लिए बहुत सी सरकारी योजनाएं संचालित हो रही हैं। लेकिन इतने वर्षो बाद भी देश में आज तक आधे दिव्यांगो को ही दिव्यांगता प्रमाण पत्र मुहैया कराया जा सका है। शक्तिशाली शासक तैमूर लंग हाथ और पैर से शक्तिहीन था। मेवाड़ के राणा सांगा तो बचपन में ही एक आंख गंवाने तथा युद्ध में एक हाथ एक पैर तथा 80 घावों के बावजूद कई युद्धों में विजेता रहे थे। सिख राज्य की स्थापना करने वाले महाराजा रणजीत सिंह की एक आंख बचपन से ही खराब थी। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना सुधा चंद्रन की दायीं टांग नहीं थी। फिल्मी गीतकार कृष्ण चंद्र डे तथा संगीतकार रविंद्र जैन देख नहीं सकते थे। पूर्व क्रिकेटर अंजन भट्टाचार्य मूक-बधिर थे। वर्ल्ड पैरा चैम्पियनशिप खेलों में झुंझुनू जिले के दिव्यांग खिलाड़ी संदीप कुमार व जयपुर के सुन्दर गुर्जर ने भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5) से एकत्र किए गए द्वितीयक डेटा के भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद प्रकाशन के विश्लेषण के अनुसार भारत में विकलांग लोगों की कुल व्यापकता जनसंख्या का 4.52 प्रतिशत है। भारत विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन का एक पक्ष है। यह डेटा दर्शाता है कि भारत में लगभग 6 करोड़ 32 लाख 80 हजार लोग किसी न किसी प्रकार की विकलांगता के साथ जीवन यापन करते हैं। लोकोमोटर (गतिशील) विकलांगता सभी विकलांगताओं में सबसे आम है, इसके बाद मानसिक और वाक (बोलने से संबंधित) विकलांगताएं हैं। भारत में आज भी दिव्यांगता प्रमाण पत्र हासिल करना किसी चुनौती से कम नहीं है। हालांकि सरकारी दावे कहते हैं कि इस प्रक्रिया को काफी सरल बनाया गया है। देश में दिव्यांगो को दी जाने वाली सुविधाएं कागजों तक सिमटी हुई हैं। अन्य देशों की तुलना में हमारे यहां दिव्यांगो को एक चौथाई सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही है। केंद्र सरकार ने देशभर के दिव्यांग युवाओं को सीधी भर्ती वाली केंद्रीय सेवाओं में दृष्टि बाधित, बधिर और चलने-फिरने में दिव्यांगता या सेरेब्रल पल्सी के शिकार लोगों को उम्र में 10 साल की छूट देकर एक सकारात्मक कदम उठाया है। अब दिव्यांग लोगों के प्रति अपनी सोच को बदलने का समय आ गया है। दिव्यांगो को समाज की मुख्यधारा में तभी शामिल किया जा सकता है ,जब समाज इन्हें अपना हिस्सा समझे। इसके लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान की जरूरत है।

मध्य प्रदेश आई ए एस अधिकारी संतोष वर्मा के ख़िलाफ़ 'सबसे सख़्त कार्रवाई' की मांग

शाह बुलेटिन ब्यूरो, मवाना इसरार अंसारी। विगत दिनों मध्य प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में उपसचिव के पद पर तैनात संतोष वर्मा के द्वारा ब्राह्मण समाज की बहन बेटियों के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में मंगलवार को डॉ. राकेश शर्मा की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मध्यप्रदेश के अधिकारी संतोष वर्मा के अनुचित आचरण पर ब्राह्मण समाज ने गहन रोष व्यक्त किया। इस अवसर पर राहुल शर्मा ने समाज के बंधुओं को प्रेरित करते हुए कहा की हमारा जवाब केवल रोष नहीं, बल्कि हमारा संगठन और हमारी एकता है। एकजुटता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। सर्वसम्मति से यह माँग की गई है कि इस अधिकारी के विरुद्ध तत्काल सबसे सख़्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में प्रमुख रूप से डॉ. राकेश शर्मा, राहुल शर्मा, जितेन्द्र शर्मा, आशीष शर्मा, अरुण शर्मा, मनु शर्मा, हरेंद्र शर्मा, जयनारायण शर्मा, शैंकी शर्मा, कुशल शर्मा, प्रमोद शर्मा, ज्ञानेश्वर शर्मा, मोहन पहलवान, एवं संजय शर्मा मौजूद रहे।

विदेश भेजने के नाम पर लाखों की ठगी, पैसे वापस मांगने पर धमकी

शाह बुलेटिन ब्यूरो

गौहर अनवार,मेरठ। किठौर थाना क्षेत्र में विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर मोटी रकम ऐंठने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ितों ने बताया कि कुछ लोगों ने वर्क वीजा का झांसा देकर उनसे लाखों रुपये की वसूली कर ली। लेकिन बाद में जब दस्तावेजों की जांच कराई गई तो पूरा मामला धोखाधड़ी का निकला। पीड़ितों का कहना है कि आरोपियों ने उन्हें विदेश में अच्छी नौकरी और आकर्षक वेतन का लालच देकर भरोसा जीत लिया था। दस्तावेज मिलने के बाद उन्हें शक हुआ और विशेषज्ञों से जांच कराई गई। जांच में खुलासा हुआ कि जारी किया गया वीजा वर्क वीजा नहीं बल्कि टूरिस्ट वीजा है, जो नौकरी के लिए मान्य नहीं होता। जब पीड़ितों ने इसका विरोध किया और अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपियों ने उन्हें धमकाना शुरू कर दिया और पैसे लौटाने से साफ इन्कार कर दिया। इससे पीड़ितों में रोष है। उन्होंने किठौर थाना पुलिस से लिखित शिकायत कर आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पीड़ितों ने कहा कि अगर समय रहते जाँच ना कराई जाती तो वे विदेश जाकर फंस सकते थे। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

इंस्पेक्टर ओम प्रकाश सिंह ने किया पुलिसफ़ोर्स के साथ पैदल गस्त, लोगो से की शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील

शाहनवाज़ सोनू - शाह बुलेटिन

मीरापुर। मीरापुर में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने और आमजन में सुरक्षा की भावना जागृत करने के उद्देश्य से इंस्पेक्टर ओम प्रकाश सिंह ने कस्बे के विभिन्न क्षेत्रों तथा सर्राफा बाजार में पैदल मार्च किया। सीओ यतेन्दर सिंह नागर ने मुख्य बाजार, भीड़भाड़ वाले चौराहों,संवेदनशील गलियों और सर्राफा बाजार का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय व्यापारियों,राहगीरों और दुकानदारों से बातचीत की तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। गश्त के दौरान अधिकारियों ने पुलिस टीम को विशेष सतर्कता बरतने, संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी नजर रखने और शाम के समय बाजारों में गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए। इस पैदल मार्च से बाजारों में पुलिस की मजबूत उपस्थिति दर्ज हुई, जिससे लोगों में सुरक्षा की भावना बढ़ी। इंस्पेक्टर ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि क्षेत्र में शांति-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इंस्पेक्टर ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि आगामी त्योहारों और बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस की गश्त और चौकसी को और प्रभावी बनाया जा रहा है। इस मौके पर इंस्पेक्टर ओम प्रकाश सिंह,एसएसआई महेन्दर गौतम,क़स्बा इंचार्ज ओमेन्दर सिंह, एसआई विरेन्दर सिंह,एसआई अरुण कुमार,एसआई मोहित परिहार आदि पुलिस कर्मी मौजूद रहे ।

नो एंट्री के विरोध में सड़क पर उतरे ट्रांसपोर्टर

शाह बुलेटिन ब्यूरो

- एसपी ट्रैफिक से मिलकर शाम पांच बजे से आठ बजे तक के नियम पर जताया विरोध

गौहर अनवार,मेरठ। शहर की बदहाल यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिये पुलिस ने ट्रांसपोर्टरों को निशाने पर लिया है। ट्रांसपोर्टरों ने कहा कि शाम पांच बजे से लेकर रात आठ बजे तक शहर में चार पहिया कामर्शियल वाहनों के नो एंट्री करने से बिजनेस पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उन्होंने मांग करी है कि इस तरह लगाई गई नो एंट्री को हटवाया जाए। इस पर एसपी ट्रैफिक राघवेंद्र कुमार ने कहा कि बुधवार को नया रुट प्लान बना कर सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। मेरठ गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश विज और महामंत्री हरि गुप्ता ने एसपी ट्रैफिक राघवेन्द्र शुक्ला से कहा कि किसी भी शहर में शाम पांच बजे से लेकर आठ बजे तक चार पहिया वाहनों पर नो एंट्री नहीं लगाई गई है। जिस वक्त बिजनेस का पीक टाइम होता है उस वक्त कामर्शियल वाहन सड़कों पर नहीं चलेंगे तो व्यापार कैसे होगा। ट्रांसपोर्टरों ने टीपी नगर के बिजनेस के पीक टाइम पर होने वाले व्यापार की डिटेल से जानकारी दी है। इस मामले में ट्रांसपोर्टरों की दलील पर एसपी ट्रैफिक ने कहा कि जिस पीक ऑवर में व्यापार होता है, उसी पीक ऑवर में जनता भी खरीदारी करने निकलती है। जिससे जाम की स्थिति खराब हो जाती है। इसके अलावा इन दिनों शादी समारोह के कारण भी सड़कों पर ट्रैफिक ज्यादा है। ऐसे में यह व्यवस्था फिलहाल अस्थाई रूप से लागू की गई है। लेकिन ट्रांसपोर्टरों के ज्यादा ज़ोर देने पर एसपी ट्रैफिक ने आश्वासन देते हुए कहा है कि बुधवार से नया रूट प्लान बनाते हुए किसी तरह ट्रांसपोर्टरों को राहत दी जा सकती है। इस मौके पर सनी गांधी, राजन गुप्ता, प्रदीप, आशीष शर्मा, अनुज विज मौजूद रहे।

पश्चिमी व्यापारी एकता व्यापार मंडल के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

कार्यक्रम में बोले वक्ता व्यापारी शक्ति के आगे शासन प्रशासन अपने घुटने टिका देता है

शाह बुलेटिन ब्यूरो

गौहर अनवार,मेरठ। मेरठ। पश्चिमी व्यापारी एकता व्यापार मंडल की मेरठ की जिला इकाई के नवनियुक्त पदाधिकारियों का भव्य शपथ समारोह मेरठ के जिला अध्यक्ष गंगेश मुखिया की अगुवाई में संपन्न हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष हरपाल सिंह वर्मा मुख्य रूप से मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ उपाध्यक्ष भारती भानु, महासचिव अनुज गुप्ता, प्रदेश मंडल अध्यक्ष संजय वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष रवि कुमार, सहारनपुर मंडल सचिव गुरु गौहर वाल्मीकि, जिला संयोजक मनोज सोनी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश अध्यक्ष हरपाल सिंह वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। जिसके बाद सभी ने ईश वंदना की। कार्यक्रम के दौरान सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को प्रदेश अध्यक्ष द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष गंगेश मुखिया के नेतृत्व में सैकड़ों व्यापारियों ने व्यापार मंडल के प्रचार प्रसार तथा कार्यशैली को देखकर व्यापार मंडल में भरोसा जताते हुए व्यापार मंडल की सदस्यता ग्रहण की। अपने संबोधन में प्रदेश अध्यक्ष हरपाल सिंह वर्मा ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और उनसे आशा जताई कि वह व्यापार मंडल के नियमों का पालन करते हुए व्यापार मंडल के प्रचार प्रसार व व्यापारियों की समस्याओं के निवारण में सक्रिय भूमिका निभाएगे। हरपाल सिंह ने वहां उपस्थित सभी व्यापारियों का स्वागत करते हुए उनके द्वारा व्यापार मंडल की सदस्यता ग्रहण करने पर आभार प्रकट करते हुए उन्हें पूर्ण भरोसा दिया कि किसी भी व्यापारी की कोई भी समस्या की सूचना आने पर उसका तन मन से साथ दिया जाएगा। और समस्या का तुरंत समाधान करने की पूरी कोशिश की जाएगी। उन्होंने सभी व्यापारीयों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आप हमारे व्यापार मंडल में भरोसा बनाए रखें। हमारा कोई भी पदाधिकारी या हमारा कोई भी साथी किसी भी व्यापारी को किसी भी प्रकार की समस्या आने पर उसका पूर्ण सहयोग करेगा तथा उसके साथ हमेशा खड़ा मिलेगा। कार्यक्रम में प्रदेश मंडल अध्यक्ष संजय वर्मा, जिला संयोजक मनोज सोनी ने भी बधाई देते हुए कहा कि व्यापारी शक्ति के आगे शासन प्रशासन अपने घुटने टिका देता है। इसलिए व्यापारी जब तक एकजुट है, तब तक उसका कोई भी कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

महंत अनंतेश्वर गिरी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया

गौहर अनवार ,मेरठ। समाज सेवा के साथ-साथ शिक्षा और रोज़गार के लिए प्रदेश में श्रम एवं सेवायोजन के अध्यक्ष ठाकुर रघुराज सिंह के संरक्षण में चल रही संस्था उत्थान एक नई पहल का विस्तार करते हुए संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज प्रजापति ने लव कुश मंदिर के महंत श्री श्री 1008 अनंतेश्वर गिरी महाराज को अपनी संस्था का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया। संस्था के अच्छे कार्यों से काफी प्रभावित हुए और संस्था से जुड़े महंत ने गरीब कन्याओं बुजुर्गों निराश्रित गायों के लिए विशेष रूप से कार्य करते रहते हैं। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनने पर महंत ने ये भरोसा दिलाया है, कि संस्था के उद्देश्यों को आम जनमानस तक पहुंच कर हम सभी सेवा का कार्य करेंगे। और संस्था से बहुत से लोगों को जोड़कर समाज की प्रगति के लिए काम किया जाएगा।

एण्डटीवी पर आर्यन प्रजापति का ड्रामेटिक मेकओवर!

मुंबई। अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और एक्सप्रेसिव एक्टिंग के लिए मशहूर आर्यन प्रजापति, जो 'हप्पू की उलटन पलटन' में ऋतिक का किरदार निभा रहे हैं, ने हाल ही में दर्शकों को अपने बिल्कुल नए अवतार से चौंका दिया। शो के नए बेटिंग-थीम्ड ट्रैक के लिए पहली बार आर्यन को पूरी तरह बदला हुआ लुक अपनाना पड़ा, जिसमें उन्हें खुद को बचाने के लिए एक अलग पहचान में दिखाया गया है। आर्यन ने इस चुनौती को बड़ी उत्सुकता और आत्मविश्वास के साथ स्वीकार किया। उनका यह मेकओवर कहानी में नया ट्विस्ट लाता है और बतौर कलाकार उनकी बढ़ती वर्सेटिलिटी भी दिखाता है। अपने इस बदलाव के बारे में आर्यन प्रजापति उर्फ ऋतिक ने कहा, "पहली बार मुझे पूरी तरह से एक अलग लुक में आना पड़ा, और सच कहूं तो यह एक साथ रोमांचक और अजीब दोनों था। इस कहानी में ऋतिक को अपनी पहचान छिपानी थी, इसलिए मुझे बिल्कुल नया अवतार लेना पड़ा। जब मैंने मेकअप के बाद खुद को आईने में देखा, तो यकीन ही नहीं हुआ कि यह मैं हूं! इसकी तैयारी में काफी धीरज रखना पड़ा, क्योंकि हेयर और मेकअप सेट करने से लेकर एक्सप्रेशन्स और बॉडी लैंग्वेज बदलने तक, ताकि लुक नैचुरल लगे। मैंने ज़ारा वारसी और सोनल पंवार दीदी से भी मदद ली और देखा कि लड़कियां कैसे बैठती, बात करती और रिएक्ट करती हैं, ताकि परफॉर्मेंस मजेदार भी रहे और असली भी, बिलकुल ऋतिक की तरह। यह चुनौतीपूर्ण था, लेकिन मजा बहुत आया क्योंकि इससे मुझे अपने कम्फर्ट जोन से बाहर आने का मौका मिला। इस अनुभव ने महसूस कराया कि एक एक्टर के पास कितने रंग होते हैं, बस जरूरत होती है तो सिर्फ एक मौके की।"

सूचना

दैनिक 'शाह बुलिटिन' हिंदी समाचार पत्र में समाचार विज्ञापन लेख आदि प्रकाशित कराने के लिए संपर्क करें-

जफरयाब राव (संपादक)
मोबाइल नंबर 9997540548 पता- एल-130 लोहिया नगर मेरठ।

हासिम अहमद जिला प्रभारी (बिजनौर)
मोबाइल नंबर 9012147659 , 7017678409
पता - टाटा मोटर्स ऊपरी मंजिल हरिद्वार रोड नजीबाबाद।

शकील राव ऊन तहसील प्रभारी
मोबाइल नंबर 8279302257 पर विज्ञापन, लेख समाचार, प्रेस कॉन्फ्रेंस इत्यादि के लिए संपर्क करें

इसरार अंसार, तहसील मवाना, मेरठ
मो. 8445181867
7830627172
मवाना परिसर मेरठ।

दैनिक शाह बुलेटिन
RNI: UPHIN/2014/56192
मालिक, मुद्रक व प्रकाशक जफरयाब ने इंडियन प्रेस 176, राजेन्द्र नगर, मेरठ शहर से छपवाकर, कार्यालय 428/13 शास्त्रीनगर, मेरठ से प्रकाशित किया। संपादक: जफरयाब सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मेरठ होगा, समाचार पत्र में प्रकाशित विचारों से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
फोन: 09997540548
मेल-आईडी: dainikshah-bulletin@gmail.com

नगर पालिका अध्यक्ष एक्शन मोड में बदहाल शौचालय पर लापरवाह कर्मचारियों को लगाई फटकार

सादिक सिद्दीक़ी शाह बुलेटिन

कांधला। कस्बे के रेलवे मार्ग स्थित बालिका इंटर कॉलेज के पास बना नगर पालिका का सार्वजनिक शौचालय बदहाली की मिसाल बना हुआ था। टूटे-फूटे दरवाजे, गंदगी और दुर्गंध से परेशान लोगों ने कई बार शिकायतें कीं, लेकिन कर्मचारियों ने कोई ध्यान नहीं दिया। जनता की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद अब नगर पालिका अध्यक्ष नजमुल इस्लाम खुद मैदान में उतर आए हैं।अध्यक्ष नजमुल इस्लाम ने इस मामले में तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित

सफाईकर्मियों और जिम्मेदार कर्मचारियों से स्पष्टीकरण तलब किया है। उन्होंने कहा कि जनता की सुविधा से जुड़ी किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नगर पालिका जनता की सेवा के लिए है, न कि फाइलों में शिकायतें दबाने के लिए। कस्बा निवासी रामकुमार और अन्य लोगों ने बताया कि शौचालय की हालत देखकर वर्षों से सुधार की उम्मीद खत्म हो चुकी थी। दरवाजे गल चुके हैं, दीवारों पर गंदगी जमी है और सफाईकर्मी शायद ही कभी वहां झाड़ू लगाते हैं। महिलाओं और बच्चों के लिए स्थिति और भी असहज है।

● **इस पर अध्यक्ष नजमुल इस्लाम ने कहा:** कर्मचारियों की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मैंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि खराब दरवाजे तुरंत बदले जाएं, दीवारों की मरम्मत की जाए और नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। दोषी कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही तय है।"उन्होंने बताया कि नगर पालिका का उद्देश्य कस्बे में स्वच्छता और सुविधा सुनिश्चित करना है।जनता में खुशी, अध्यक्ष की तत्परता से बढ़ा विश्वास अध्यक्ष नजमुल इस्लाम की तत्परता से जनता में खुशी का माहौल है। लोगों का कहना है कि वर्षों बाद किसी जनप्रतिनिधि ने जनता की शिकायतों को इतनी गंभीरता से लिया है। अब उम्मीद है कि शौचालय ही नहीं, बल्कि पूरे कस्बे की सफाई व्यवस्था में भी सुधार देखने को मिलेगा।

पुलिस ने धार्मिक स्थलों पर दिखाई सख्ती

● **लाउडस्पीकर हटाने के निर्देश, कानून के उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई**

सादिक सिद्दीक़ी शाह बुलेटिन

कांधला। उत्तर प्रदेश शासन के आदेशों का सख्ती से पालन कराते हुए स्थानीय पुलिस ने मंगलवार को कस्बे के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर निरीक्षण किया और तेज आवाज वाले लाउडस्पीकरों को हटाने के निर्देश जारी किए। इस कार्रवाई में पुलिस ने मंदिर पुजारियों, मौलानों और धार्मिक स्थल समितियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि निर्धारित ध्वनि सीमा का पालन करना अनिवार्य है।

जानकारी के अनुसार, पुलिस ने संबंधित धार्मिक स्थलों के प्रबंधकों से बातचीत कर शासनादेश का पालन सुनिश्चित कराया। अतिरिक्त लाउडस्पीकर तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए। इस दौरान कस्बा प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र वर्मा भारी पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे।पुलिस ने साफ किया कि तय समय-सीमा के बाद भी नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई को ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया और कहा कि इससे नगर में शांति और व्यवस्था बनी रहेगी।

ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के इस अभियान के तहत पुलिस ने सभी धार्मिक स्थलों के प्रबंधकों से अपील की कि वे शासन के आदेश का पालन करें और नगरवासियों की सुरक्षा और आराम का ध्यान रखें।

कैंटबोर्ड चुनाव, किसके सर पर सजेगा ताज ?

● **सारे पुराने धुरंधर भाजपा के साथ क्या इस बार होने वाले चुनाव में भाजपा के काम आएगा वाधवा और सोड़ी परिवार का दबदबा ?**

● **सांसद अरुण गोविल और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मुलाकात ने छावनी परिषद की शांत हो चुकी राजनीति को गरमा दिया है।**

शाह बुलेटिन ब्यूरो

गौहर अनवार,मेरठ। सांसद अरुण गोविल की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात और कैंट बोर्ड चुनाव को लेकर चर्चा ने फिर से छावनी परिषद की शांत हो चुकी राजनीति को गरमा दिया है। लोगों के बीच भाजपा की कैंट बोर्ड राजनीति में क्या स्थिति होगी ? विपक्ष कैसे हालात में होगा ? इसे लेकर अब चर्चाओं का बाजार गर्म होने लगा है। इसका बड़ा कारण ये भी है कि भले ही कैंट विधानसभा सीट 1989 से भाजपा की झोली में जा रही हो, लेकिन छावनी परिषद को राजनीति में भाजपा मुकम्मल तौर पर मजबूत होकर नहीं उभर पाई है। ऐसे में मेरठ हापुड़ लोकसभा सांसद अरुण गोविल ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार मुलाकात कर कैंट बोर्ड चुनाव कराने की मांग की है। इस महत्वपूर्ण मुलाकात के दौरान सांसद ने मेरठ कैंट बोर्ड एवं स्थानीय जन-सरोकारों से जुड़े कई गंभीर एवं लम्बे समय से लटके हुए मुद्दों पर चर्चा की। सांसद ने रक्षा मंत्री को पत्र देकर कैंट में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पुनः स्थापना कराने का अनुरोध किया। लेकिन हम आपको बता दें कि, पिछले दस सालों में मेरठ केंट बोर्ड में चुनाव नहीं होने से ना केवल यहां की राजनीति को बड़ा झटका लगा है। बल्कि, अधिकांश कार्य अधर में लटके हुए हैं। एक समय था जब यहां कांग्रेस नेताओं का दबदबा था। लेकिन देश, प्रदेश से लेकर केंट तक अब भाजपा की दमदार स्थिति है. जबकि 2015 में प्रदेश में सपा की सरकार थी। हालांकि देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार बन गई थी। दरअसल, 2015 में जब मेरठ कैंट बोर्ड का चुनाव हुआ था, तब प्रदेश में सपा की सरकार थी। विपक्षी दलों ने निर्दलीय प्रत्याशियों को समर्थन देकर जीत दिलाई थी। उस समय भाजपा आठ में से दो सीटों पर ही चुनाव जीत सकी थी। ज्यादातर सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशी जीते थे। यहां तक 2015 से 2021 के बीच उपाध्यक्ष बने बीना वाधवा और विपिन सोड़ी भी तब निर्दलीय जीते थे। जो अब भाजपा में शामिल हो चुके हैं। जिससे भाजपा को अच्छी पकड़ मानी जा रही है। और अन्य निर्दलीय सभासद भी अब भाजपाई हो चुके हैं। अब कैंट बोर्ड के अधिकतर दावेदार भाजपा में शामिल हो चुके हैं। विपक्ष में अभी तक कोई दमदार प्रत्याशी भी नहीं दिख रहा। हालांकि दावा है कि, अगर चुनाव होता है तो सपा कांग्रेस गठबंधन मजबूती से इस बार का कैंटोनमेंट बोर्ड चुनाव एक साथ मिलकर लड़ेगा। और भाजपा को वाकओवर नहीं लेने देगा, लेकिन फिलहाल स्थिति बदली हुई है। वहीं अगर बात करें धनराशि की तो मेरठ कैंट बोर्ड की सबसे बड़ी समस्या आर्थिक है।

यदि केंद्र सरकार से सहायता ना मिले तो वेतन-भत्ते, पेंशन के लिए भी कैंट बोर्ड के पास पैसा नहीं है।विकास कार्यों के लिए केन्द्र से ही अनुदान चाहिए। फिलहाल केंट क्षेत्र की स्थिति धन के अभाव में बदहाल है। विकास कार्यों में कभी मेरठ केंट का उदाहरण दिया जाता था, जो अब नहीं है। इसके अलावा केंट को भाजपा के लिए मजबूत किला माना जाता है। सांसद विधायक के चुनाव में विपक्ष के मुकाबले भाजपा की स्थिति काफी मजबूत रही है। सन 2024 के सांसद के चुनाव में तो भाजपा को सबसे बड़ी जीत कैंट विधानसभा क्षेत्र से ही मिली थी। क्योंकि मेरठ केंट विधानसभा क्षेत्र में भी भाजपा का लगभग चार दशक से लगातार कब्जा रहा है। लेकिन, अब माना जा रहा है कि, अगर चुनाव होता है तो भाजपा क्षेत्र की बदहाल स्थिति में वाधवा परिवार का दबदबा भाजपा के लिए संजीवनी बन सकता है। कैंट बोर्ड की राजनीति में यूं तो तमाम नेता उभरकर आगे आए हैं। लेकिन एक परिवार ऐसा रहा है जिसका वर्चस्व कैंटोनमेंट चुनाव में पिछली बार देखने को मिल चुका है। उसी परिवार से सुनीता वाधवा कैंटोनमेंट की उपाध्यक्ष रह चुके हैं।

यह बात अलग है कि उस समय वह भाजपा में नहीं थे। यही कारण रहा कि भाजपा को यहां हमेशा बड़ा झटका लगा। लेकिन अब पूर्व कैंटोनमेंट बोर्ड उपाध्यक्ष सुनीता वाधवा पति सुनील वाधवा और दूसरे धुरंधर विपिन सोड़ी भाजपा के रथ पर सवार हो चुके हैं। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि निगम चुनाव की तरह इस बार होने वाले कैंटोनमेंट चुनाव में भाजपा मजबूत स्थिति में रहेगी। हालांकि यह एक अनुमानित आंकड़ा है। क्योंकि इस बार कैंटोनमेंट का ताज किसके सर पर सजेगा यह तो जनता जनार्दन ही तय करेगी।

इंस्पेक्टर ओमप्रकाश सिंह ने पुलिसफ़ोर्स के साथ बस स्टेण्ड पर चलाया चेकिंग अभियान

शाहनवाज़ सोनू - शाह बुलेटिन

मीरापुर। एसएसपी संजय कुमार वर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान मे इंस्पेक्टर ओम प्रकाश सिंह ने पुलिसफ़ोर्स के साथ वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान कई वाहनों का चालान किया गया, जिससे वाहन चालकों में सतर्कता देखी गई। यह अभियान बस स्टेण्ड के पास चलाया गया। पुलिस ने संदिग्ध नजर आने वाले वाहनों की गहन तलाशी ली और उनके आवश्यक कागजात भी जांचे। एसएसपी मुजफ्फरनगर संजय कुमार वर्मा के निर्देश पर अपराध नियंत्रण को लेकर सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिस लगातार सक्रिय है। हाल ही में पुलिस ने सड़क पर शराब पीने और रात्रि में हुड़दंग मचाने वालों के खिलाफ भी अभियान चलाया था, क्योंकि प्रशासन का मानना है कि ऐसे तत्वों की अपराध वृद्धि में अहम भूमिका होती है। इंस्पेक्टर ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे इस अभियान के दौरान इंस्पेक्टर ओम प्रकाश सिंह नागर,एसएसआई महेन्दर गौतम,क़स्बा इंचार्ज ओमेन्दर सिंह,एसआई मोहित कुमार,एसआई अरुण कुमार,कांस्टेबल अंकित नागर,कांस्टेबल रोहित बिधूरी, कॉस्टेबल मोहित कुमार,चालक राजेन्दर सिंह, सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद थे।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने भारत में अपने 25वें साल में 500,000 गाड़ियों की बिक्री का माइलस्टोन हासिल किया

देहरादून। स्कोडा ऑटो इंडिया भारत में अपनी ग्रोथ जारी रखे हुए है, भारत में अपनी एंट्री के बाद से 5 लाख यूनिट्स की बिक्री का लैंडमार्क पार कर लिया है। अपनी सिल्वर जुबली में, ब्रैंड पहले ही कई मंथली, क्वार्टरली और एनुअल माइलस्टोन हासिल कर चुकी है। और 2025 के आखिरी से पहले महीने में, ब्रैंड ने देश में 5,491 यूनिट्स बेचीं, जो पिछले साल के इसी महीने के मुकाबले 90 प्रतिशत साल-दर-साल रिकॉर्ड ग्रोथ रहा। ग्रोथ पर कमेंट करते हुए, स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रैंड डायरेक्टर, आशीष गुप्ता ने कहा, "हमारा बढ़ता नेटवर्क, हमारी वैल्यू-ड्रिवन ओनरशिप ऑफरिंग, और बड़ा प्रोडक्ट पोर्टफोलियो मुख्य ड्राइविंग फोर्स रहे हैं, जिन्होंने हमारी 5 लाख लैंडमार्क सेल्स और हर महीने हमारी लगातार साल-दर-साल सेल्स ग्रोथ को बढ़ाया है।

तमंचे के बल पर सर्राफा व्यापारी से लूट, तीन अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

सादिक सिद्दीक़ी शाह बुलेटिन,कांधला। क्षेत्र में लूट की वारदातों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला गांव पंजोखरा का है, जहां सर्राफा व्यापारी से तीन अज्ञात बदमाशों ने तमंचे के बल पर लूट की वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, गांव पंजोखरा निवासी सर्राफा व्यापारी ओमवीर वर्मा की दुकान इस्लामपुर घसौली में स्थित है। रोजाना की तरह व्यापारी दुकान बंद कर अपने गांव लौट रहा था कि रास्ते में तीन अज्ञात चोरों ने उसे रोक लिया। बदमाशों ने तमंचा दिखाकर व्यापारी से एक जोड़ी चांदी की पायल, दो जोड़ी कान की बाली, बाइक के कागज, एक मोबाइल फोन, आधा ग्राम सोना और 500 रुपये नकद लूट लिए और मौके से फरार हो गए।पीड़ित ओमवीर वर्मा ने कांधला थाने पहुंचकर अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी और कार्यवाही की मांग की। पुलिस ने व्यापारी की तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।पुलिस टीम ने बदमाशों की तलाश में कई स्थानों पर दबिश दी, क्षेत्र में दहशत का माहौल।

गलती से जहर खा गई महिला, हालत नाजुक—जिला अस्पताल में भर्ती

सादिक सिद्दीक़ी शाह बुलेटिन,कांधला। कस्बे के गांव नन्नूपुरी में रहने वाली 30 वर्षीय विवाहित महिला रीतू पत्नी ओमवीर ने दवाई समझकर अनजाने में जहर खा लिया। हादसे के बाद महिला की हालत गंभीर हो गई और उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।जानकारी के अनुसार, रीतू लंबे समय से बीमार चल रही हैं और उनकी बीमारी की दवाई चिकित्सक द्वारा निर्धारित थी। रोज की तरह जब दवाई लेने का समय आया, तब गलती से उन्होंने जहर खा लिया। आनन-फानन में पति ओमवीर ने उन्हें कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने महिला की नाजुक स्थिति देखते हुए तुरंत जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे के पीछे पति की जानकारी देने पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं—विशेषकर यह कि आखिरकार जहर घर में कैसे आया। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग मामले की तहकीकात कर रहे हैं।महिला का इलाज जिला अस्पताल में जारी है, परिवार में चिंता का माहौल

फर्नीचर के काम में रुपए लेने का विवाद,पहुंचा थाने

सादिक सिद्दीक़ी शाह बुलेटिन,कांधला। क्षेत्र के गांव डांगरोल में एक युवक ने अपने पड़ोसी पर पांच महीने पहले फर्नीचर का काम कराने के लिए 2 लाख 27 हजार रुपये एडवांस के तौर पर देने के बावजूद काम न करने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, गांव निवासी सोनू ज्वाला पुत्र सहेंद्र सिंह ने थाना कांधला में दी गई तहरीर में बताया कि पड़ोसी सादाब पुत्र अलताफ, जो फर्नीचर का कारीगर है, को पांच महीने पहले 2 लाख 27 हजार रुपये एडवांस दिए थे। पैसे देने के बाद सादाब ने कुछ दिनों में काम करने का वादा किया, लेकिन लगातार बहाने बनाकर काम टालता रहा। पीड़ित ने बताया कि बाद में आरोपी युवक गांव छोड़कर कैराना नगर की तितरवाड़ा रोड की एक कालोनी में रहने लगा। जब पीड़ित युवक आरोपी के घर गया, तो उसके घरवालों ने उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। परेशान होकर पीड़ित ने कानून का सहारा लिया और थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। कांधला पुलिस ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। दोनों पक्षों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच जारी है और जल्द ही उचित कार्रवाई की जाएगी।गांव में विवाद को लेकर लोग चिंतित, पुलिस कर रही मामले की पूरी जांच।

डॉ संजय जैन लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित हुए

मेरठ। मवाना रोड स्थित पंचवटी कॉलोनी आभा मानव मंदिर में रविवार को एकल कवि उद्घोष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे डॉ. संजय जैन सीए को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में एससी गोविन्द, विजय भोला, साहित्यकार एवं अंतरराष्ट्रीय कवि डॉ. प्रवीण शुक्ल, डॉ. राजीव राज,हिंदुस्तान न्यूज़ पेपर के पूर्व संपादक सूर्यकांत द्विवेदी, अमर उजाला के पूर्व संपादक नीरज कांत राही,आदि लोग मौजूद रहे।

खनन के डंपर ने बेसहारा गाय को रौंदा, मौके पर मौत

शाहनवाज़ सोनू - शाह बुलेटिन, मीरापुर। रामराज थाना क्षेत्र में खनन की मिट्टी लेकर जा रहे एक डंपर ने

बेसहारा गाय को रौंद दिया जिससे गाय की मौके पर मौत हो। खनन के डंपर लगातार हादसे कर रहे है जिससे क्षेत्रवासियों में रोष व्याप्त है।

मंगलवार को रामराज थाना क्षेत्र के गांव देवल की ओर से खनन की मिट्टी लेकर जा रहे एक डंपर ने हैदरपुर पुलिस चौकी के निकट एक बेसहारा गाय को रौंद दिया। मिट्टी से भरे डंपर का पहिया गाय के ऊपर से गुजर गया जिससे गाय ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। गाय की मौत होने पर मौके पर जाम की स्थिति बन गई तथा मौके पर भीड़ जमाने लगी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जाम खुलवाया तथा गड्ढा खुदवाकर गाय के शव को दबवाया। पुलिस ने टक्कर मारने वाले डंपर को पकड़कर बैराज चौकी पर खड़ा कर लिया।

ठंड की दस्तक, मेरठ में पांच डिग्री गिरा रात का तापमान

गौहर अनवार ,मेरठ। दिसंबर की शुरूआत होते ही मेरठ में ठंड ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया हैं। जहां रविवार की रात मेरठ ने इस सीजन की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई थी। वहीं प्रदेश में सबसे ज्यादा ठंडा मेरठ ही रहा। न्यूनतम तापमान 10.6 डिग्री से गिरकर 5.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था। वहीं दिन का तापमान अभी स्थिर रहा, लेकिन सुबह और देर शाम की ठिठुरन लोगों को तेजी से महसूस होने लगी है। बीते दो दिनों से न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ था, लेकिन रविवार को पारा अचानक आधा होकर 5.2 डिग्री पर पहुंच गया था। सोमवार को सुबह से ही खिली धूप निकल आई थी, जिससे लोग गर्माहट पाने के लिए पाकों और छतों पर बैठे नजर आए। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि दिसंबर के पहले ही दिन ठंड ने जिस अंदाज में दस्तक दी है, उससे साफ है कि आने वाले दिनों में ठंड और ज्यादा बढ़ेगी। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की मौसम वेधशाला के अनुसार सोमवार/ मंगलवार को मेरठ में रात में न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री सेल्सियस और दिन में अधिकतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया है।

इंस्पेक्टर ओमप्रकाश सिंह ने पुलिसफ़ोर्स के साथ बस स्टेण्ड पर चलाया चेकिंग अभियान

शाहनवाज़ सोनू - शाह बुलेटिन,मीरापुर। एसएसपी संजय कुमार वर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान मे इंस्पेक्टर ओम प्रकाश सिंह ने पुलिसफ़ोर्स के साथ वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान कई वाहनों का चालान किया गया, जिससे वाहन चालकों में सतर्कता देखी गई। यह अभियान बस स्टेण्ड के पास चलाया गया। पुलिस ने संदिग्ध नजर आने वाले वाहनों की गहन तलाशी ली और उनके आवश्यक कागजात भी जांचे। एसएसपी मुजफ्फरनगर संजय कुमार वर्मा के निर्देश पर अपराध नियंत्रण को लेकर सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिस लगातार सक्रिय है। हाल ही में पुलिस ने सड़क पर शराब पीने और रात्रि में हुड़दंग मचाने वालों के खिलाफ भी अभियान चलाया था, क्योंकि प्रशासन का मानना है कि ऐसे तत्वों की अपराध वृद्धि में अहम भूमिका होती है। इंस्पेक्टर ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे इस अभियान के दौरान इंस्पेक्टर ओम प्रकाश सिंह नागर,एसएसआई महेन्दर गौतम, क़स्बा इंचार्ज ओमेन्दर सिंह, एसआई मोहित कुमार,एसआई अरुण कुमार, कांस्टेबल अंकित नागर, कांस्टेबल रोहित बिधूरी, कॉस्टेबल मोहित कुमार, चालक राजेन्दर सिंह, सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद थे।

पिछले पाँच वर्षों में कॉर्पोरेट जेंडर डेटा डिस्क्लोज़र में 51 प्रतिशत की बढ़ोतरी — उदयति की क्लोज़ द जेंडर गैप 2025 स्टडी की रिपोर्ट

-महिलाओं की रोजगार वृद्धि दर 7 प्रतिशत रही, जो कुल कार्यबल की 6 प्रतिशत वृद्धि से अधिक है। फिर भी, यह वृद्धि कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को 18 प्रतिशत से ऊपर ले जाने के लिए पर्याप्त नहीं रही।

-भारत की 2,624 एनएसई-सूचीबद्ध कंपनियों में से 1,380 कंपनियों (₹53 प्रतिशत) ने एफवाई24-25 में जेंडर डेटा रिपोर्ट किया; जो 2020 की तुलना में 51 प्रतिशत अधिक है।

रुक्मिणी वसंत का सीक्रेट माइंड मैजिक जो उन्हें जमीन पर टिकाए रखता है!

तेज़ रफ्तार शेड्यूल, लगातार सफ़र और हर दिन नई-नई चुनौतियाँ — एक उभरती अभिनेत्री की ज़िंदगी बाहर से जितनी ग्लैमरस दिखती है, अंदर उतनी ही तूफ़ानी हो सकती है। लेकिन रुक्मिणी वसंत ने इस तूफ़ान के बीच अपनी शांति ढूंढ़ ली है — एक बेहद सरल, बेहद निजी और चौंकाने वाला रिचुअल - जर्नलिंग। हाँ, डायरी में लिखना — वही पुरानी आदत, जिसे हममें से कई लोग छोड़ चुके हैं — यही रुक्मिणी की सबसे बड़ी सुपरपावर है। चाहे दिन कितना भी भागमभाग वाला हो, चाहे सेट पर कितने भी सीन हों, चाहे सफ़र कितना भी लंबा हो, रुक्मिणी रात को अपनी डायरी के पन्नों से ज़रूर मिलती हैं। यह उनका तरीका है खुद से दोबारा जुड़ने का, मन के शोर को शांत करने का और ज़िंदगी को एक साफ़ नज़र से देखने का। वह इस रिचुअल पर खुलकर कहती हैं, जर्नलिंग वही जगह है जहाँ मैं रुककर खुद को देख पाती हूँ। मैं अपनी पुरानी डायरीज़ खूब पढ़ती हूँ — वो नज़रिया देती हैं। बिर्बल से पहले की मेरी चिंता, ड्रामा स्कूल के दिनों की उलझनेंज आज से इतनी अलग, पर उतनी ही सच्ची। इससे समझ आता है कि जो आज बड़ा तूफ़ान लग रहा है, कुछ साल बाद वही हल्की सी हवा जैसा।

दिल्ली क्राइम 3 की सफलता का लुत्फ उठा रही शेफाली शाह

एक्ट्रेस शेफाली शाह हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 की सफलता का आनंद उठा रही हैं। दर्शक उनकी दमदार अदाकारी की सराहना कर रहे हैं। इस कड़ी में शेफाली ने दर्शकों का आभार जताया। शेफाली शाह ने कहा, मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपने करियर में ऐसे रोल मिले, जिन्होंने न सिर्फ मुझे चुनौती दी, बल्कि दिल की गहराइयों को भी छुआ। दिल्ली क्राइम का गंभीर किरदार, डार्लिंग्स में निभाया गया जटिल रोल और करियर की शुरुआती फिल्म सत्या के अनुभव... इन सभी ने मेरे अभिनय को नई दिशा दी। इन भूमिकाओं को दर्शकों से जितना प्यार मिला, वह मेरी उम्मीदों से कहीं ज्यादा है। हर किरदार ने मुझे एक अलग तरह से बदला, एक कलाकार के रूप में संवारा और यह सफर मेरे लिए बेहद सीखने का अवसर रहा। उन्होंने कहा, जब मैं अपने सफर के बारे में बात करती हूं, तो मुझे हमेशा याद आता है कि मैंने स्टोरीटेलिंग से प्यार क्यों किया था। मेरे लिए अभिनय सिर्फ काम नहीं, बल्कि एक एहसास है, जो लगातार सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। जब दर्शक मेरे अभिनय को समझते हैं, महसूस करते हैं और उसकी सराहना करते हैं, तो यह एक कलाकार के तौर पर बहुत भावुक और संतोष देने वाला अनुभव होता है। बता दें कि आईएफपी महोत्सव में हर साल बॉलीवुड के जाने-माने कलाकार, निर्देशक और उद्योग विशेषज्ञ वक्ता, मेंटर्स और जजों के रूप में शामिल होते हैं। यह नए और स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं, लेखकों और कंटेंट क्रिएटर्स को अपना काम दिखाने के लिए एक बड़ा मंच प्रदान करता है। यहां से कई उभरते हुए टैलेंट को बॉलीवुड और ओटीटी प्लेटफार्मों में काम करने का मौका मिलता है। शेफाली ने कहा कि आईएफपी ने ऐसा माहौल बनाया है जहां कलाकार और दर्शक एक-दूसरे से ईमानदारी के साथ जुड़ते हैं। यह मंच क्रिएटर्स को न सिर्फ अपनी कला दिखाने का अवसर देता है, बल्कि विचारों का ऐसा खुला आदान-प्रदान करवाता है जो उन्हें और भी बेहतर बनाने में मदद करता है।

विजय सेतुपति और निर्देशक पुरी जगन्नाथ की पैन इंडिया फिल्म की शूटिंग हुई पूरी

साउथ एक्टर विजय सेतुपति इन दिनों साउथ निर्देशक पुरी जगन्नाथ की अनाम पैन इंडिया फिल्म में काम कर रहे हैं। आज फिल्म की शूटिंग खत्म हो गई है। इसी मौके का एक खास वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें पुरी और विजय फिल्म के बारे में खास बातें करते नजर आ रहे हैं।

विजय काफी समय से निर्देशक पुरी जगन्नाथ की अनाम पैन इंडिया फिल्म की शूटिंग कर रहे थे, जो आज पूरी हो चुकी है। फिल्म के सेट से एक वीडियो पुरी ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें फिल्म के आखिरी दिन के शूट को लेकर विजय बेहद उदास नजर आए। इस वीडियो में एक्ट्रेस चार्मी कौर वीडियो कॉल पर नजर आ रही हैं और दोनों से फिल्म को लेकर बातें कर रही हैं। चार्मी, विजय और पुरी का यह वीडियो फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है। पुरी और विजय ने फिल्म की शूटिंग के आखिरी दिन को लेकर कहा कि वे पहले से ही एक-दूसरे को मिस कर रहे हैं। फिल्म निर्माताओं का पोस्ट पुरी ने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस वीडियो को शेयर किया और कैप्शन में लिखा, Puri Sethupathi की फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। सेट पर कई महीनों की भावनात्मक और आनंदमय यात्रा के बाद, टीम ने फिल्म की पूरी शूटिंग खत्म कर ली है। जल्द ही कुछ रोमांचक अपडेट के लिए तैयार हो जाइए। यह फिल्म तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

विजय और पुरी की आने वाली फिल्म के बारे में

विजय सेतुपति की इस आगामी फिल्म में उनके साथ मुख्य भूमिका में अभिनेत्री संयुक्ता नजर आएंगी। इस फिल्म का टाइटल 23 सितंबर, 2025 को रिलीज होना था, लेकिन कुछ वजहों से इसमें देरी हो गई। यह एक पैन-इंडिया फिल्म है। इस फिल्म में विजय और संयुक्ता के अलावा तब्बू भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। वहीं ब्रह्माजी सहायक भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म की घोषणा 2025 में की गई थी और इसकी शूटिंग जून 2025 में शुरू हुई थी। इस फिल्म का निर्माण पुरी कनेक्ट्स और जेबी मोशन पिक्चर्स ने मिलकर किया है। इस फिल्म का संगीत हर्षवर्धन रामेश्वर ने तैयार किया है।

कीर्ति सुरेश ने सुनाई व्यथा

कहा- लाइटमैन 2-3 घंटे सोते हैं

साउथ सिनेमा की सुपरस्टार एक्ट्रेस और नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं कीर्ति सुरेश ने अब एक्टर्स के काम के घंटों पर नई बहस छेड़ दी है। दसारा और बेबी जॉन की एक्ट्रेस ने दीपिका पादुकोण के 8 घंटे काम की मांग के महीनों बाद कहा है कि 8 घंटे काम करने के दौरान भी, एक एक्टर को सोने के लिए जरूरी समय नहीं मिल पाता है। हैदराबाद में अपनी अगली फिल्म रिवॉल्वर रीटा के प्रमोशन के दौरान उन्होंने कहा कि कम घंटे काम करने के आइडियल सिनेरियो में भी एक एक्टर को महज 6 घंटे की ही नींद मिलती है। दिग्गज फिल्ममेकर-एक्टर जी. सुरेश कुमार की बेटी कीर्ति ने कहा, सुबह 9 बजे की शिफ्ट के लिए, अगर मुझे सुबह 7.30 बजे तक वहां पहुंचना है, तो मुझे सुबह 6.30 बजे घर से निकलना होगा और सुबह 5.30 बजे तक उठना होगा। शाम को लगभग 6 या 6.30 बजे पैक-अप के बाद, घर वापस जाना पड़ता है, कपड़े बदलने पड़ते हैं, एक्सरसाइज करनी पड़ती है, डिनर करना पड़ता है, और सोने के लिए जरूरी घंटे निकालने के लिए स्ट्रगल करना पड़ता है।

कीर्ति सुरेश ने आगे कहा, अब, मुझे रात 11.30 बजे सोने के बाद सुबह 5:30 बजे फिर उठना पड़ता है। कीर्ति ने बताया कि कैसे आठ घंटे की वर्क शिफ्ट, जिसे एक आइडियल सिनेरियो माना जाता है, उसमें भी सोने का समय मुश्किल से ही शामिल होता है, जबकि एक एडल्ट बॉडी के लिए आइडियल जरूरत आठ घंटे की नींद है। उन्होंने कहा, हम कहते हैं कि आठ घंटे की नींद अच्छी है, लेकिन हम मुश्किल से छह घंटे सो पाते हैं। यह एक आइडियल 9 बजे से 6 बजे तक की शिफ्ट में है। कीर्ति सुरेश बोलीं- लाइटमैन तो 2-3 घंटे ही सो पाते हैं साल 2018 में महानति के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पा चुकीं कीर्ति ने बताया कि हिंदी और मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर 12 घंटे की शिफ्ट होती है। उन्होंने सिर्फ एक्टर्स ही नहीं, बल्कि फिल्म के क्रू मेंबर्स खासकर लाइटमैन की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा, केरल में लाइटमैन 2-3 घंटे सोते हैं। हालांकि, नींद भी खाने या एक्सरसाइज जितनी ही जरूरी है। ये वो साथी हैं, जो सेट पर एक्टर्स से भी पहले पहुंचते हैं।

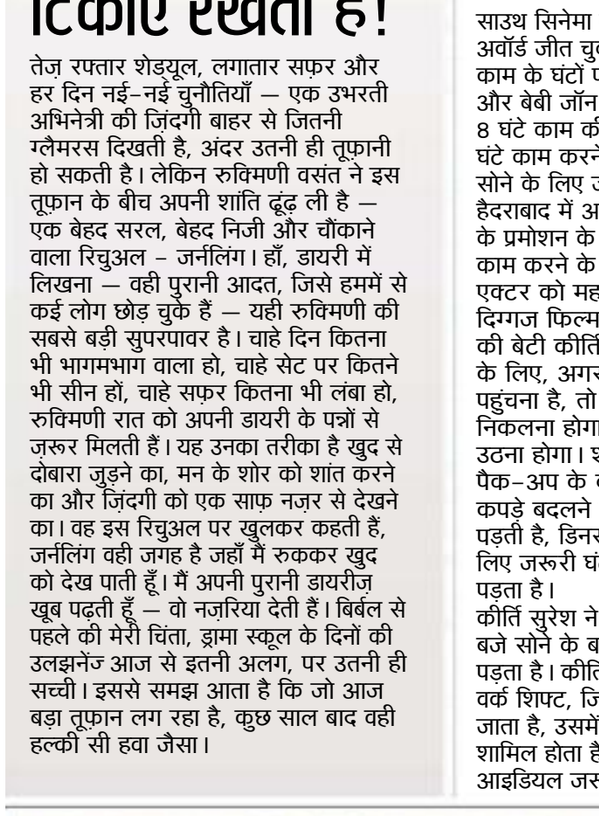

सफलता का मतलब शोहरत नहीं, बल्कि खुद को नए रूप में गढ़ने का साहस है

रसिका दुग्गल बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्होंने अपनी बेहतरीन एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता है। छोटे शहर जमशेदपुर से बड़े पर्दे तक उनका सफर मेहनत, लगन और हिम्मत की कहानी है। 'मिर्जापुर', 'मंटो' और 'दिल्ली क्राइम' जैसे प्रोजेक्ट्स में उनके दमदार किरदारों ने उन्हें अलग पहचान दी। हालांकि करियर के शुरुआती दौर में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कई प्रोड्यूसर्स ने कहा कि वे सेलेबल नहीं हैं, यहां तक कि एक डायरेक्टर ने उनसे असम्मानजनक व्यवहार भी किया था। लेकिन रसिका ने ऐसे लोगों से हमेशा दूरी बनाए रखी और अपने काम पर ध्यान दिया। किराया भरने की चिंता और बार-बार रिजेक्शन झेलने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। रसिका का मानना है कि सफलता का मतलब शोहरत नहीं, बल्कि हर दिन खुद को नए रूप में गढ़ने का साहस है।

मैंने ऐसे कभी नहीं सोचा था कि एक्टर ही बनना है, लेकिन जिसमें भी मुझे मौका मिलता, मैं वो बड़े मजे से करती थी। एक्टिंग को मैं आगे चलकर करियर बनाऊंगी, ये कभी नहीं सोचा था। न फैमिली में कोई ऐसा उदाहरण था सब बिजनेस लाइन से थे। कुछ लोग होते हैं ना, जो बचपन से एक्टर बनने का सपना देखते हैं और बाथरूम में शैंपू की बोतल पकड़कर अपनी विनिंग स्पीच दे रहे होते हैं, वैसा नहीं था मेरे साथ।

अनवर के बाद मुझे अनुराग कश्यप की फिल्म 'नो स्मोकिंग' मिली थी। जब मेरा सिलेक्शन हुआ, तो प्रोड्यूसर ने बुलाया और कहा कि आकर पैसों पर बात कर लो। मैं गई, तो उन्होंने पूछा, कितने पैसे लोगी? मैंने थोड़ी हिम्मत करके कहा कि प्रतिदिन 7500 रुपए। वो बोले, अरे, ये तो बहुत ज्यादा है, थोड़ा कम करो। घर आकर मैंने अपने दोस्त दीपक डोबरियाल को बताया, तो वो हंसने लगा और बोला, तूने इतना मांग भी लिया! फिर बात तय हुई और मुझे प्रतिदिन 5000 रुपए मिले। जबकि पहली फिल्म 'अनवर' के लिए तो सिर्फ 3000 रुपए प्रतिदिन मिले थे।

इंटीमेट सीन कहानी की जरूरत थी, सेंसशनलाइज नहीं किया गया

रसिका दुग्गल ने अपने एक्टिंग करियर में कई फिल्मों और वेब सीरीज में दमदार भूमिका निभाई है। खास करके वेब सीरीज मिर्जापुर में बीना त्रिपाठी की भूमिका ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। इस सीरीज में उनके इंटीमेट सीन की भी खूब चर्चा हुई। उस सीन के बारे में रसिका कहती हैं- वो सीन स्क्रिप्ट के पॉइंट ऑफ व्यू से जरूरी था।

उसे जबरदस्ती या सेंसशनलाइज करने के लिए नहीं डाला गया था। पुनित कृष्ण जो राइटर हैं, उन्होंने हर किरदार को बहुत सेंसिटिवली बिल्ड किया था। रही बात इंटिमेट सीन की तो पुनित, गुरमीत और करण ने शूट से पहले मुझे हर शॉट के बारे में बताया। सेट पर कौन मौजूद होगा, क्लोज सेट रहेगा, ये सारी बातें पहले ही डिस्कस हो गई थीं, जो मेरे कंफर्ट के लिए जरूरी थीं। अब तो इंटीमेसी कोऑर्डिनेटर आ गए हैं, लेकिन तब नहीं थे।

खुद को रीइन्वेंट करते रहना चाहिए

मेरे लिए सफलता का मतलब सिर्फ नाम या शोहरत नहीं है। मुझे तब लगता है कि कुछ हासिल किया है, जब मैं अपना काम दिल से कर पाऊं और वो मुझे सच्ची खुशी दे। अगर हर दिन कुछ नया सीखने को मिले, कुछ नया खोजने को मिले, तो वही मेरे लिए सक्सेस है। मुझे लगता है कि इंसान को बार-बार खुद को रीइन्वेंट करते रहना चाहिए, क्योंकि वहीं से आगे बढ़ने की असली प्रेरणा मिलती है। और ऐसा तभी हो सकता है जब आप रिस्क लेने की हिम्मत रखें, डरने के बजाय नए अनुभवों को अपनाने की कोशिश करें।

दिल्ली क्राइम और मिर्जापुर ने ब्लॉकबस्टर सी फील दी

मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट नंदिता दास की फिल्म मंटो से आया। उससे पहले इरफान खान और तिलोत्तमा के साथ किस्सा जैसी खास फिल्में कीं, पर मंटो ने नया रास्ता दिखाया। उस समय कई डायरेक्टर्स मुझे प्रोजेक्ट में लेना चाहते थे, लेकिन प्रोड्यूसर्स ने कहा- मैं सेलेबल नहीं हूं। फिर नंदिता ने मुझमें भरोसा जताया और मंटो में सफिया मंटो का रोल दिया। यही निर्णायक मोड़ रहा। उसके बाद दिल्ली क्राइम और मिर्जापुर जैसे शो आए, जिसने बड़े ऑडियंस के सामने मेरी पहचान बनाई और ब्लॉकबस्टर सी फील दी।